बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र – 1

हिन्दी भाषा संरचना – 1

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – 1

1. भारत वंदना : (काव्य) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. स्वतंत्रता पुकारती : (काव्य) जयषंकर प्रसाद
3. भाषा की महत्ता और उसके विविध रूप

इकाई – 2

1. करूणा (निबंध) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. बिच्छी बुआ (कहानी) डॉ.लक्ष्मणसिंह विष्ट 'बटरोही'
3. हिन्दी की षब्द संपदा (पर्याय, अनेकार्थी, षब्दयुग्म, विलोम)

इकाई – 3

1. विलायत पहुँच ही गया (आत्मकथांष) महात्मा गॉधी
2. तीर्थ यात्रा–डॉ. मिथिलेष कुमारी मिश्र
3. वाक्य संरचना और विराम चिन्ह

इकाई – 4

1. दीक्षांत भाषण (वकृत्व कला) स्वामी श्रद्धानंद
2. पत्र मैसूर के महाराजा को (पत्रलेखन) स्वामी विवेकानंद
3. पत्र लेखन, महत्व और उसके विविध रूप

इकाई – 5

1. योग की षक्ति पत्रलेखन (डायरी) : डॉ. हरिवंष राय बच्चन
2. यात्रा संस्मरण : डॉ. दवेन्द्र सत्यार्थी
3. सार लेखन, भाव पल्लवन

पाठ्यपुस्तकः– हिन्दी भाषा संरचना – 1

वेबसाइटः–

1- www.indianlanguage.com

2- www.hindibhasha.com

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 1

प्राचीन काव्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

पाठ्य कवि –

1. कबीर
2. सूर
3. तुलसी

पाठ्य सामग्रीः

1. कबीर – साखी – 20ः गुरुदेव कौ अंग – 5 साखी
    ज्ञान–विरह कौ अंग – 5 साखी
    सुमिरन कौ अंग – 5 साखी
    विरह कौ अंग – 5 साखी
    पद – 05
2. सूर – पद – 15
3. तुलसी – पद – 15ः कवितावली – 5 पद
    गीतावली – 5 पद
    विनयपत्रिका – 5 पद

द्रुतपाठ – विधापति, जायसी, रहीम, मीरा

कबीरः की साखी

गुरूदेव को अंगः

1. सतगुरु की महिमा अनॅत, अनंत किया उपकार।
2. राम नाम लै पटंतरै, देबे को कुछ नांहि।
3. सतगुरु सांचा सूरिवॉ, सवद जु बाह्या एक।
4. नां गुरू मिल्या न सिष भया, लालच खेल्या दाव।
5. सतगुरु हम सु रीझि करि, एक कह्या प्रसंग।

सुमिरन को अंगः

1. कबीर कहता जात हूँ, सुणता है सब कोई।
2. जिहि घटि प्रिति न प्रेम रस, पुनि रसना नहीं राम।
3. लंबा मारग दूरि घर, विकट पंथ बटु मार।
4. कबीर निरभै राम जपि, जब लग दीवै बाति।
5. कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।

बिरह कौ अंग

1. चकवी बिछुटी रैणि की, आइ मिली परभाति।
2. बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ।
3. अंषड़ियां झाई पड़ी, पंथ निहारि निहारि।
4. कै बिरहणि कूँ मीच दे, कै आपा दिखलाए।
5. सब रंग तंतर बाबतन, विरह बजावै नित्त।

ग्यान बिरह कौ अंग

1. दौ लागी साइर जल्या, पंषी बैठे आइ।
2. अहेड़ी दौ लाइया,मृग पुकारे रोइ।
3. हिरदा भीतरि दौ बलै, धूवां न प्रगट होइ।
4. पाणी मांहै प्रजली, भई अप्रबल आगि।

कबीर के पद

1. संतौ भाई आई ग्यांन की आंधी रे।
2. पंडित बाद बदंते झूठा।
3. हम न मरै मरिहै संसारा, हम कूँ मिल्या जियावनहारा।
4. हम तौ एक एक करि जानां।
5. मन रे जागत रहिये भाई।

सूरदास

1. चरन–कमल बंदौं हरि राई।
2. अविगत–गति कछु कहत न आवै।
3. प्रभु हौं सब पतितानि कौ टीकौ।
4. अब मैं नाच्यो बहुत गुपाल।
5. मेरो मन अनंत कहाँ सुख पावै।
6. हमारे प्रभु, औगुन चित न धरौ।
7. सरण गयै को।
8. जसुमति मन अभिलाष करै।
9. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत।
10. मैया कबहु बढ़ेगी चोटी।
11. मैया मोहे दाऊ बहुत खिझायौ।
12. खेलत मैं को काकौ गुसैयाँ।
13. मैया बहुत बुरो बलदाऊ।
14. चोरी करत कान्ह धरि पायें।
15. मैया मैं नहीं माखन खायौ।

तुलसी

विनयपत्रिका

1. गाइये गणपति जग वंदन।
2. अब लौं नसानी अब न नसैहों।
3. जाऊॅ कहॉ तजि चरण तिहारे।
4. केषव कहि न जाइ का कहिए।
5. कबहूॅक अंब सुअवसर पाई।

कवितावली

1. पुरते निकसी रघुवीर वधू।
2. धूत कहो अवधूत कहौं।
3. विंध्य के बासी उदासी तपोव्रत धारी।
4. कीरके कागर ज्यौं नृपचीर विभूषण।
5. सुनत हनुमान की हॉक बॉकी।

गीतावली

1. मोपै तो न कछु है आई।
2. पंकज करनि चाप तीर तरकस कटि।
3. सरित जल मलिन सरनि सूखे नलिन।
4. तात विचारो धौं हौं क्यों आवौं।
5. मेरे जान तात कछु दिन जीजै।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– मध्यकालीन काव्य (म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाषित)

प्रोजेक्ट कार्य– अंक–50

विषय–

1.कबीर काव्य में धर्मनिरपेक्षता/ समाज शास्त्रीय

2.कबीर काव्य में साम्प्रदायिक सद्भावना।

3.तुलसीदास काव्य में समन्वयवाद।

4.तुलसीदास काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन।

5. सूरदास, तुलसीदास के काव्य में बिम्ब–विधान (चित्रकला के संदर्भ में)

6. मध्यकालीन कवियों की भाषा

नोटः– उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम से संबंधित प्रोजेक्ट भी मान्य होंगे।

पाठ्यपुस्तकः– मध्यकालीन काव्य– डॉ.हरिमोहन बुधौलिया

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई 1. व्याख्या : गबन अथवा झॉसी की रानी से तीन व्याख्यांष ।

इकाई 2. हिन्दी उपन्यासः उद्भव और विकास एवं प्रवृत्तियों ।

इकाई 3. उपन्यासकार प्रेमचंद अथवा उपन्यासकार वृन्दावनलाल वर्मा।

इकाई 4. गबन अथवा झॉसी की रानी से समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई 5. द्रुतपाठ : जैनेन्द्र अमृतलाल नागर, फणीष्वरनाथ रेणु, मन्नू भण्डारी

वस्तुनिष्ठ प्रष्न – पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

पाठ्यपुस्तकः– गबन उपन्यास –प्रेमचंद

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र – 1

भारत सरकार की राजभाषा नीति

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई 1. राजभाषा का आषय,हिन्दी–राजभाषा तक की विकास यात्रा

इकाई 2. राजभाषा संबंधी प्रावधानः–धारा 343,344,348 और 351 का अध्ययन

इकाइ 3. राजभाषा अधिनियम 1963

इकाई 4. राजभाषा नियम 1976

इकाई 5. राष्ट्रपति का आदेष 1960, राजभाषा संकल्प 1968

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई 1. हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना और अंग्रेजी वाक्य प्रयोग से तुलना

इकाई 2. लिंग,वचन

इकाई 3. क्रिया,विष्लेषण

इकाई 4. हिन्दी की स्वन प्रक्रिया–ध्वनि,वर्ण,अक्षर

इकाई 5. बलाघात,लय और अनुतान

प्रायोगिक– उदाहरणों के माध्यम से व्याकरण का अध्ययन,वाक्य शोधन तथा अन्य सामान्य त्रुटियों के षोधन का अभ्यास।विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग।

प्रत्येक प्रष्नपत्र– 35 अंक

प्रति इकाई – 07 अंक

प्रायोगिक – 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन– 30 अंक

प्रयोजन मूलक हिंदी (गृहकार्य)

1. राजभाषा विषयक प्रावधानों पर वस्तुनिष्ठ प्रष्न
2. हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण
3. कारक के प्रकार एवं विभिन्न प्रयोग
4. हिंदी एवं अंग्रेजी वाक्य रचना का तुलनात्मक विष्लेषण
5. केन्द्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति
6. राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर तथा हिंदी का यथार्थ
7. हिंदी की प्रमुख बोलियाँ
8. कार्यक्षेत्र की दृष्टि से प्रयुक्त हिदी के विविध रुप

पुस्तकों की सूची–संदर्भ पुस्तकें

1.व्यावसायिक हिंदी– ओमप्रकाष सिंहल

2.प्रयोजन मूलक हिंदी– ओमप्रकाष सिंहल

3.प्रयोजन मूलक हिंदी– कमलकुमार बोस

4.प्रषासनिक हिंदी – डॉ.रामप्रकाष

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र – 1

हिन्दी भाषा संरचना – 2

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – 1

1. जाग तुझको दूर जाना : (काव्य) सुश्री महादेवी वर्मा

2. हम अनिकेतन : (काव्य) श्री बालकृष्ण षर्मा 'नवीन'

3. भाषा कौषल : (लिखना, पढना, बोलना समझना)

इकाई – 2

1. समन्वय की प्रक्रिया (निबंध) श्री रामधारी सिंह 'दिनकर'

2. अनुवाद : परिभाषा, प्रकार, महत्व, विषेषता

3. परिभाषिक ष्षब्दावली

हिन्दी से अंग्रेजी–20 षब्द

अंग्रेजी से हिन्दी –20 षब्द

इकाई – 3

1. अफसर (व्यंग्य) श्री षरद जोषी

2. मकडी का जाला (व्यंग्य) : डॉ. रामप्रकाष सक्सेना

3. षब्द रचना : तत्सम, तद्भव, देषज, विदेषी

इकाई – 4

1. भारत का सामाजिक व्यक्तित्व (प्रस्तावना) पं. जवाहरलाल नेहरू

2. बनी रहेंगी किताबे – डॉ. सुनीता रानी घोष

3. सड़क पर दौडते ईहा मृग : डॉ. ष्यामसुन्दर दुबे

इकाई – 5

1. कोष के अखाडे में कोई पहलवान नहीं उतरता : (साक्षात्कार) भाषाविद् डॉ हरदेव बाहरी से प्रो. त्रिभुवन नाथ षुक्ल

2. यदि 'बॉ' न होती तो गाँधी को यह ऊँचाई न मिलती : कथाकार गिरिराज किषोर से डॉ. सत्येन्द्र षर्मा

3. साक्षात्कार : प्रयोजन और कौषल

वेबसाइटः–

1- www.Indianlanguage.com

2- www.hindibhasha.com

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र – 1

प्राचीन काव्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

पाठ्य कवि –

1. बिहारी
2. भूषण
3. घनानंद

पाठ्य सामग्रीः

1. बिहारी – 20 दोहे
2. भूषण – 15 छन्द
3. घनानंद –15

द्रुतपाठ केषव, पद्माकर, देव, सेनापति

बिहारी

भक्ति

1. मेरी भव बाधा हरौं।
2. तंत्री नाद कवित्त रस।
3. करौ कुबत जग कुटिलता।
4. कौन भांति रहि है विरद।
5. तौ पर वारु उरवसी।

नीति

1. कनक कनक ते सौ गुनी।
2. नहीं पराग नहीं मधुर मधु।
3. दुसह दुराज प्रजान के।
4. अज्यौ तरयौ नही रह्यौ।
5. नर की अरू बलनीर की।

श्रृंगार

1. दृग उरझत टूटत कुटुंब।
2. पत्रा ही तिथि पाइयें।
3. बतरस लालच लाल की।
4. कहत नटत रीझत खिझत।

5. इत आवत चली जात उत।

विरह

1. रनित मृंग घंटावलि झरत।
2. पाय महावर देन को।
3. सीरे जतनन्ह सिसिर ऋतु।
4. अंग अंग नग जगमगति।
5. औंधाई सीसी सुलखि।

घनानंद

1. अति सूधो सनेह को मारग है।
2. झलके अति सुंदर आनन गौर।
3. अंतर हौ किधौं अंत रहौ।
4. अकुलानि के पानि पायौ दिन रात।
5. इत बॉटपरी सुधि, रावरे कुलनि।
6. अंतर उदेग दाह आँखिन।
7. पूरन प्रेम को मंत्र महापन।
8. पर का जहि देह कों धरि फिरौ।
9. भोर तें सांस लौ कानन ओर।
10. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु।
11. घन आनंद जीवन रूप सुजान।
12. जिनकों नित नीकें निहारति हीं तिनकों अँखियॉ अब रोवति हैं।
13. पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यौं फिरि तेह कै तोरियै जू।
14. खंजन ऐसे कहा मनरंजन, मीननि लेखौ कहा रस–ढार सो।
15. चंदहि चकोर करै, सोऊ ससि देह धरै।

भूषण

1. साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि।
2. इंन्द्र जिमि जम्भ पर बाडव सुअम्भ पर।
3. हाथ तसवीह लिये प्रात करै बन्दगी सी।
4. किबले के ठौर बाप बादषाह षाहजहॉ।
5. पौन बारि बाह पर षंभु रतिनाह पर।
6. डाढ़ी में रखैयन की डाढ़ी –सी रहति छाती।
7. रज्ञबन के उपर ही डाढ़ो रहिवे के जोग।
8. छारा की व दौर यह, शक नहीं खजुबे की चकित चकता चौंकि चौंकि डढे बार बार।
9. जिहि फन फूतकार उड़त पहार भार।
10. कोय करि चढ़यौ महाराज सिवराज वीर।

11. निकसत म्यान ले मयूखै प्रलय भानू सी।

12. ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहन वाली।

13. भुजमुजगेष की है संगिनी भुजंगिनी सी।

14. छुटत कमान और तीर गोली बानन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– मध्यकालीन काव्य (म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाषित)

प्रोजेक्ट कार्य– अंक–50

विषय–

1. बिहारी काव्य में सामाजिक चेतना
2. बिहारी काव्य में नीति–तत्व
3. बिहारी के काव्य में बिम्ब–विधान (चित्रकला के संदर्भ में)
4. घनानंद के काव्य में प्रेम – अभिव्यंजना
5. भूषण और राष्ट्रीयता

नोटः– उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पाठ्क्रम से संबंधित प्रोजेक्ट भी मान्य होंगे।

पाठ्यपुस्तकः– मध्यकालीन काव्य– डॉ.हरिमोहन बुधौलिया

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

पाठ्यपुस्तकः
गबन– प्रेमचंद अथवा झॉसी की रानी – वृन्दावनलाल वर्मा
पाठ्य विषयः म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाषित हिन्दी कहानी संकलन से

1. जयषंकर प्रसाद : आकाष दीप
2. प्रेमचंद : ठाकुर का कुऑ
3. कमलेष्वर : जार्ज पंचम की नाक
4. निर्मल वर्मा : परिन्दे
5. भीष्म साहनी : चीफ की दावत
6. मोहन राकेष : परमात्मा का कुत्ता
7. अमरकान्त : जिन्दगी और जोंक
8. उषा प्रियवंदा : वापसी

निर्धारित कहानी संकलन म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी म.प्र., भोपाल द्वारा प्रकाषित ।

इकाई–1 व्याख्या – म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, द्वारा प्रकाशित कहानी संकलन से तीन व्याख्याएँ ।
इकाई–2 हिन्दी कहानी उद्‌भव विकास और प्रवृत्तियॉ
इकाई–3 पठित कहानियों से समीक्षात्मक प्रष्न
इकाई–4 लघुत्तरीय/द्रुतपाठ – सुदर्षन, विष्वंभर नाथ शर्मा कौषिक, मार्कण्डेय, कृष्णा सोबती
इकाई–5 वस्तुनिष्ठ प्रष्न पूरे पाठ्‌यक्रम से पूॅछे जायेंगे

परियोजना कार्य –
पूर्णाक–50

1. कथा, आख्यायिका और लघु कथा एक मूल्यांकन
2. प्रेमचंद की कहानियों में सामाजिक व्यवस्था
3. हिन्दी कहानी में पारिवारिक विसंगति
4. हिन्दी कहानी में वृद्ध जीवन
5. हिन्दी कहानी में दलित चेतना
6. हिन्दी की महिला कथाकार
7. हिन्दी कहानी में नारी विमर्ष
8. निर्मल वर्मा की कहानियों में एकाकी बोध

नोटः– उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पाठ्‌यक्रम से संबंधित परियोजना कार्य भी मान्य होंगे।

पाठ्‌यपुस्तकः म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाषित हिन्दी कहानी संकलन से

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र – 1

भारत सरकार की राजभाषा नीति

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई 1. हिन्दी प्रषिक्षण और प्रोत्साहन

इकाई 2. गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी समयबध्द वार्षिक कार्यक्रम

इकाई 3. रेल विभाग में हिंदी का प्रयोग

इकाई 4. राष्ट्रीयकृत बैंको में हिंदी का प्रयोग

इकाई 5. राष्ट्रीय निगमों में हिंदी का प्रयोग

बी.ए.द्वितीय सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई 1. पूर्वसर्ग,परसर्ग एवं विभक्ति प्रत्यय

इकाई 2. अषुध्दियाँ और उनका षोधन

इकाई 3. हिंदी षब्द संपदा और उसका वर्गीकरण

इकाई 4. हिंदी का क्षेत्र और उसकी प्रमुख बोलियाँ

इकाई 5. परिवेष और सामाजिक कार्यक्षेत्र स्थितियों में हिंदी–प्रयोग के विभिन्न रुप

प्रायोगिक– केन्द्र सरकार के कार्यालयों से हिंदी–प्रयोग के आँकडों का संचयन कर दो प्रतिवेदन प्रस्तुत करना। संक्षिप्तियाँ, स्लोगन संकलन एवं संरचना। विज्ञापन संरचना।

प्रत्येक प्रष्नपत्र– 35 अंक

प्रति इकाई – 07 अंक

प्रायोगिक – 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन– 30 अंक

प्रयोजन मूलक हिंदी (गृहकार्य)

1. राजभाषा विषयक प्रावधानों पर वस्तुनिष्ठ प्रष्न
2. हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण
3. कारक के प्रकार एवं विभिन्न प्रयोग
4. हिंदी एवं अंग्रेजी वाक्य रचना का तुलनात्मक विष्लेषण
5. केन्द्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति
6. राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर तथा हिंदी का यथार्थ
7. हिंदी की प्रमुख बोलियाँ
8. कार्यक्षेत्र की दृष्टि से प्रयुक्त हिंदी के विविध रुप

पुस्तकों की सूची–संदर्भ पुस्तकें

1.व्यावसायिक हिंदी– ओमप्रकाष सिंहल

2.प्रयोजन मूलक हिंदी– ओमप्रकाष सिंहल

3.प्रयोजन मूलक हिंदी– कमलकुमार बोस

4.प्रषासनिक हिंदी – डॉ.रामप्रकाष

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र – 1

हिन्दी भाषा और विज्ञान बोध

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – 1

1. जवानी : (काव्य) श्री माखनलाल चतुर्वेदी
2. षिकागो (व्याख्यान)–स्वामी विवेकानंद
3. हिंदी भाषा की रुप संरचना

इकाई – 2

1. आचरण की सभ्यता
2. राज और समाज – डॉ. विजय बहादुर सिंह
3. हिंदी भाषा का मानकीकरण

इकाई – 3

1. षिरीष के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. मांडव – श्री रामनारायण उपाध्याय
3. समास – संरचना और प्रकार

इकाई – 4

1. महाजनी सभ्यता : प्रेमचंद
2. साहित्यकार का दायित्व : डॉ. प्रेम भारती
3. संधि,परिभाषा एवं भेद

इकाई – 5

1. उसने कहा था – श्री चन्द्रधर गुलेरी
2. फिल्टर तो चाहिए ही – डॉ. देवेन्द्र दीपक
3. संक्षिप्तियाँ

वेबसाइटः–

1- www.Indianlanguage.com

2- www.hindibhasha.com

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 1 अर्वाचीन काव्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

मैथिलीषरण गुप्तः

1. सखिः वे मुझसे कहकर जाते
2. दोनों ओर प्रेम पलता है
3. चारु चंद्र की चंचल किरणें.......... मंद पवन के झोंकों से (पंचवटी से)
4. द्वापर का कुब्जा अंष
5. मातृभूमि

जयषंकर प्रसाद :

1. प्रलय की छाया
2. पेषोला की प्रतिध्वनि
3. बीती विभावरी जाग री
4. ऑसू का अंष–श्षषि मुख.........करुणा रहती थी
5. अब जागो जीवन के प्रभात

निरालाः

1. जूही की कली
2. जागो फिर एक बार
3. तोड़ती पत्थर
4. विधवा
5. मॉ अपने आलोक निखारो

द्रुतपाठ– भारतेंदु हरिष्चंद्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय,'हरिऔध' श्रीधर पाठक,रामनरेष

परियोजना कार्य – पूर्णांक–50

1. प्रसाद काव्य में सांस्कृतिक विरासत
2. प्रसाद के काव्य में पर्यावरण चेतना
3. निराला के काव्य में सामाजिक क्रांति
4. निराला के काव्य में सामाजिक षोषण
5. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन और मैथिलीणरण गुप्त का काव्य
6. मैथिली षरण गुप्त के काव्य में नारी चेतना

नोटः– उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पाठ्क्रम से संबंधित प्रोजेक्ट भी मान्य होंगे।

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई–1

हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकार भाषाएँ विभिन्न भाषाओं का विकास

इकाई–2

हिन्दी भाषा के विविध रूप– बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा,

इकाई–3

तत्सम, तद्भव, देषज, आगत षब्दावली

इकाई–4

द्रुतपाठ– हिन्दी के व्याकरणाचार्य, कान्ताप्रसाद गुरू, किषोरीदास वाजपेयी

इकाई–5

संपूर्ण पाठ्क्रम से वस्तुनिष्ठ प्रष्न

बी.ए तृतीय सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम प्रश्न – पत्र

अनुवाद परिभाषिक षब्दावली एंव पदबन्ध

पूर्णांक :– 35

व्याख्यानः – 45

इकाई – प्रथम

अनुवाद – अर्थ, परिभाषा और प्रकार ।

इकाई – द्वितीय

अनुवाद का स्वरुप एंव क्षेत्र समस्याएँ।

इकाई – तृतीय

द्विभाषीकरण धारा 3 3 का विषेष संदर्भ।

इकाई –चतुर्थ

कार्यालयीन प्रपत्रों का अनुवाद।

इकाई – पंचम

अनुवादक और दुभाषिए में अंतर , दुभाषिया की विषेषताएॅं और दायित्व।

बी.ए तृतीय सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय प्रष्न पत्र

हिंदी में कार्यालयीन पत्राचार

पूर्णांक :– 35

व्याख्यानः – 45

इकाई – प्रथम पत्राचार के प्रकार – मूलपत्र रचना , पत्रोत्तर

इकाई – द्वितीय षासकीय पत्र , अर्द्व षासकीय पत्र ।

इकाई – तृतीय कार्यालय आदेष, ज्ञापन , कार्यालय ज्ञापन ।

इकाई –चतुर्थ परिपत्र , संकल्प, अधिसूचना ।

इकाई – पंचम अनुस्मारक , पृष्ठांकन, पावती पत्र।

प्रायोगिक :– मूलपत्र रचना , पत्रोत्तर , षासकीय पत्र , अर्द्वषासकीय पत्र , पावती, कार्यालय आदेष, ज्ञापन , कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, पृष्ठांकन ,अनुस्मारक ,विज्ञापन – दो। प्रतिवेदन लेखन , पत्रों के प्रारूप।

संदर्भ पुस्तकः–

प्रयोजनमूलक हिंदी और आधुनिक पत्रकारिता – डॉ 0 मुष्ताक अली साहित्य संगम

प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एंव अनुप्रयोग – डॉ0 रामप्रकाष राधाकृष्ण प्रकाषन

प्रयोजनपरक हिंदी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित सुलभ प्रकाषन लखनऊ

प्रषासनिक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाष राधाकृष्ण प्रकाषन

प्रयोजनमूलक हिंदी – कमलकुमार बोस क्लासिकल पब्लिषिंग

प्रामाणिक प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय षेखर प्रकाषन इलाहाबाद

प्रायोगिक योजना

प्रयोजन मूलक हिन्दी के तृतीय सेमेस्टर में दो प्रष्न पत्र 35–35 अंकों के होंगे । प्रत्येक प्रष्न पत्र पॉच इकाइयों में विभक्त होगा तथा सभी इकाइयों के लिये समान रूप से 7 अंक निर्धारित है । यही योजना चतुर्थ सेमेस्टर के लिये भी निरंतर रहेगी । इसके अतिरिक्त दोनों सेमेस्टर 50 अंकों का प्रायोगिक भी होगा प्रत्येक सेमेस्टर में 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित है जिनका विवरण निम्नलिखित है –

इकाई परीक्षा कुल दो –15 अंक

लिखित मौखिक परियोजनात्मक प्रस्तुति – 10 अंक

उपस्थिति – 5 अंक

टीप :– प्रयोजनमूलक हिन्दी के सभी प्रष्नपत्रों की मुख्य परीक्षा के लिये 35 अंक निर्धारित है सभी इकाइयों की परीक्षा 7 अंकों की होगी ।

मैखिक लिखित परियोजनात्मक प्रस्तुतिः–

प्रयोजनमूलक हिन्दी।

दुभाषिए के गुण।

अनुस्मारक।

षासकीय पत्र के अंग ।

राजपत्र।

द्रुत पत्र।

निविदा के पत्र।

परिभाषिक षब्दावली परिभाषाये विषेषताऐं।

पावती का अनुवाद ।

दस अन्तरविभागीय टीप।

चार रिक्तियों के विज्ञापन ।

कार्यालयीन कार्यविधि।

अनुवाद के प्रकार ।

प्रेस विज्ञाप्ति – प्रेस नोट।

कार्यसूची बनाइये और किसी एक बैठक का प्रारूप बनाइये।

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र – 1

हिन्दी भाषा और विज्ञान – बोध

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – 1

1. विज्ञान – परिभाषा,शाखाएँ ,संक्षिप्त इतिहास
2. प्रमुख वैज्ञानिक अविष्कार और हमारा जीवन
3. भारतीय कृषि

इकाई – 2

1. भारतीय वनस्पतियाँ एवं जीव
2. जीवन उद्‌भव और विकास
3. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई – 3

1. सौर – मंडल
2. ब्रह्मांड और जीवन
3. पर्यावरण

इकाई – 4

1. व्यापार एवं उद्योग
2. जनजातीय जीवन
3. निबंध लेखन कला

इकाई – 5

1. जल संरक्षण
2. मध्यप्रदेष के पर्यटन स्थल
3. सपनों की उडान : ए. पी. जे. अब्दुलकलाम

वेबसाइट :

1- www.Indianlanguage.com

2 www.hindibhasha.com

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 1

अर्वाचीन काव्य

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

कवि– माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय

माखनलाल चतुर्वेदी

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी
3. उलाहना

4. निषस्त्र सैनानी

5. साँझ और ढ़ोलक की थापें

महादेवी वर्मा

1. मैं नीर भरी दुःख की बदली

2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ

3. चिर सजग आँखें उनीदी

4. धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत रजनी

5. टूट गया वह निर्मम दर्पण

अज्ञेय

1. यह दीप अकेला

2. कलगी बाजरे की

3. बावरा अहेरी

4. हरी घास पर क्षण भर

5. अरे यायावार रहेगा याद

द्रुतपाठ–सुभद्रा कुमारी चौहान, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय और दुष्यंत कुमार

परियोजना कार्य **पूर्णांक–50**

1. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय–चेतना

2. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में सम्–सामयिक स्थिति

3. महादेवी वर्मा की नारी अवधारणा

4. महादेवी वर्मा के काव्य में प्रतीक योजना

5. सप्तक–परम्परा और अज्ञेय

6. अज्ञेय की लम्बी कविताएँ

7. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य में प्रकृति

8. हिन्दी गजल और दुष्यंत कुमार

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 2

हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई–1

हिन्दी साहित्य का इतिहास– लेखन काल, विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल का इतिहास

इकाई–2

पूर्वमध्यकाल– भक्तिकाल, उत्तरमध्यकाल, या रीतिकाल

इकाई–3

आधुनिक काल– भारतेन्दु से स्वाधीनता प्राप्ति तक प्रमुख वाद, युग अवधारणाऍं

इकाई–4

स्वतंत्रता के बाद का हिन्दी साहित्य– विधाऍं, धारणाऍं, प्रवृत्तियॉ

इकाई–5

काव्यांग विवेचन – रस और उसके भेद

प्रमुख छंद, मात्रिक छंद, दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, हरिगीतिका

वर्णिक छंद– कवित्त, सवैया, कुंडलियॉ, मंदाक्रांता,

अंलकार, षब्दालंकार, अनुप्रास, यमक, ष्लेष वक्रोक्ति

पुनरूक्ति प्रकाष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह

बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिंदी प्रथम प्रष्न–पत्र

हिंदी में कार्यालयी पत्राचार

पूर्णांक :–35

व्याख्यानः–45

इकाई – प्रथम पारिभाषिक षब्दावली – परिभाषा और विषेषताऍं।

इकाई – द्वितीय पारिभाषिक षब्दावली और अनुवाद में अंतर संबंध

इकाई – तृतीय हिंदी में पारिभाषिक षब्दावली की संरचना ।

इकाई –चतुर्थ प्रषासन ,विधि और रेल से संबंधित पारिभाषिक षब्दावली तथा पदबंध।

इकाई – पंचम बैंक, निगम, वाणिज्य और विज्ञान से संबंधित पारिभाषिक षब्दावली तथा पदबंध।

बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय प्रष्न–पत्र

हिंदी में कार्यालयीन पत्राचार

पूर्णांक :–35

व्याख्यानः–45

इकाई – प्रथम

निविदाऍं , मानक प्रारुप , आदेष , अर्न्तविभागीय टीप ।

इकाई – द्वितीय

रिक्तियों के विज्ञापन, सूचनाऍ।

इकाई – तृतीय

जनसम्पर्क– परिभाषा , महत्व एंव विधियॉ षासकीय कार्यालयों के संदर्भ में ।

इकाई –चतुर्थ

प्रतिवेदन – स्वरुप और संरचना ।

इकाई – पंचम

प्रेस विज्ञप्ति – परिभाषा प्रकार और लेखन विधि।

प्रायोगिक :– निविदाऍ , रिक्तियों के विज्ञापन सूचनाए, प्रारुप, जनसम्पर्क–श्शासकीय कार्यालयों एंव उपक्रमों के लिये, परिभाषाऍ ,महत्व एंव विधियॉ, प्रेस विज्ञप्ति ,विज्ञापन दो ,प्रूफ रीडिग, प्रतिवेदन लेखन

संदर्भ पुस्तकः–

प्रयोजनमूलक हिंदी और आधुनिक पत्रकारिता – डॉ 0 मुष्ताक अली साहित्य संगम

प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एंव अनुप्रयोग – डॉ0 रामप्रकाष राधाकृष्ण प्रकाषन

प्रयोजनपरक हिंदी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित सुलभ प्रकाषन लखनऊ

प्रषासनिक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाष राधाकृष्ण प्रकाषन

प्रयोजनमूलक हिंदी – कमलकुमार बोस क्लासिकल पब्लिषिंग

प्रामाणिक प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय षेखर प्रकाषन इलाहाबाद

प्रायोगिक योजना

प्रयोजन मूलक हिन्दी के तृतीय सेमेस्टर में दो प्रष्न पत्र 35–35 अंकों के होंगे । प्रत्येक प्रष्न पत्र पॉच इकाइयों में विभक्त होगा तथा सभी इकाइयों के लिये समान रूप से 7 अंक निर्धारित है । यही योजना चतुर्थ सेमेस्टर के लिये भी निरंतर रहेगी । इसके अतिरिक्त दोनों सेमेस्टर 50 अंकों का प्रायोगिक भी होगा प्रत्येक सेमेस्टर में 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित है जिनका विवरण निम्नलिखित है –

इकाई परीक्षा कुल दो –15 अंक

लिखित मौखिक परियोजनात्मक प्रस्तुति – 10 अंक

उपस्थिति – 5 अंक

टीप :– प्रयोजनमूलक हिन्दी के सभी प्रष्नपत्रों की मुख्य परीक्षा के लिये 35 अंक निर्धारित है सभी इकाइयों की परीक्षा 7 अंकों की होगी ।

मैखिक लिखित परियोजनात्मक प्रस्तुतिः–

प्रयोजनमूलक हिन्दी।

दुभाषिए के गुण।

अनुस्मारक।

षासकीय पत्र के अंग ।

राजपत्र।

द्रुत पत्र।

निविदा के पत्र।

परिभाषिक षब्दावली परिभाषाये विषेषताऐं।

पावती का अनुवाद ।

दस अन्तरविभागीय टीप।

चार रिक्तियों के विज्ञापन ।

कार्यालयीन कार्यविधि।

अनुवाद के प्रकार ।

प्रेस विज्ञप्ति – प्रेस नोट।

कार्यसूची बनाइये और किसी एक बैठक का प्रारूप बनाइये।

बी. ए. पंचम सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र प्रथम

भाषा कौषल एवं व्यक्तित्व विकास

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – प्रथम

भाषा कौषल एवं व्यक्तित्व

1. भारतीय संस्कृति का स्वरुप और विषेषताएँ
2. भारतीय समाज व्यवस्था : आश्रम व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था
3. संस्कार

इकाई – द्वितीय

1. उद्योग व्यापार
2. षिल्प कला
3. न्याय व्यवस्था

इकाई – तृतीय

1. धर्म
2. दर्षन

3. नीति

इकाई – चतुर्थ

ललित कलाएँ

1. साहित्य
2. संगीत
3. चित्र, मूर्ति, स्थापत्य कला

इकाई – पंचम

1. भारतीय संदर्भ में
2. अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में
3. समन्वीकरण के संदर्भ म

वेबसाइट :

1.www.Indianlanguage.com

2 . www.hindibhasha.com

बी.ए.पंचम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र – 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक–23

व्याख्यान–30

इकाई – 1 प्रयोजनमूलक हिंदी :– आषय एवं स्वरूप, कामकाजी हिन्दी का तात्पर्य एवं विविध आयाम।

इकाई – 2 पत्राचार :– कार्यालयीन पत्र, व्यावसायिक पत्र, व्यावहारिक पत्र।

इकाई – 3 संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण।

इकाई – 4 भाषा कम्प्यूटिगं : वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉट प्रबंधन। हिन्दी का अधुनातंनं सॉफ्टवेयर टूल।

इकाई – 5 अनुवाद – स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयीन अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवुवाद,
तकनीकी अनुवाद, वाणिज्यिकीय अनुवाद, विधिक अनुवाद, पारिभाषिक षब्दावली, बैटटिंग,
आषु अनुवाद।

बी,ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य प्रष्न पत्र– द्वितीय

हिन्दी नाटक निबंध तथा स्फुट गद्य रचनाऍ

पूर्णांक – 23

व्याख्यान–30

इकाई – 1

इकाई – 1 अंधेर नगरी अथवा ध्रुवस्वामिनी

इकाई – 2 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवत्तियाँ

इकाई – 3 अंधेर नगरी अथवा ध्रुवस्वामिनी से आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई – 4 एकांकी संकलन से आलोचनात्मक प्रष्न ।

इकाई – 5 लघुत्तरी /द्रुत पाठ

डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल , लक्ष्मी नारायण मिश्र, मोहन राकेष, सेठ गोविन्द दास।

बी,ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य प्रष्न पत्र– तृतीय

बुन्देली भाषा और साहित्य

पूर्णांक – 24

व्याख्यान–30

इकाई –1 व्याख्याएँ जगनिक, ईसुरी और ख्यालीराम की निर्धारित रचनाओं से व्याख्याएँ।

इकाई – 2 उपर्युक्त कवियों पर आलोचना / समीक्षात्मक प्रष्न।

इकाई – 3 बुंदेली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय एवं इतिहास पर प्रष्न।

इकाई – 4 द्रुत पाठ गोरेलाल, गंगाधर एवं गुणसागर सत्यार्थी पर केन्द्रित लघुत्तरी प्रष्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

बी. ए. पंचम सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र प्रथम

(टिप्पण और प्रारूपण)

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई – प्रथम टिप्पण का तात्पर्य , परिभाषा , स्वरूप एवं प्रकार ।

इकाई – द्वितीय टिप्पण – भाषा षैली , टिप्पण के सिध्दांत।

इकाई – तृतीय प्रकरण का पूर्व वृत्त और संदर्भों का पताकीकरण ।

इकाई – चतुर्थ प्रकरण तैयार करना , निष्कर्ष पर पहुँचना और कारवाई का प्रस्ताव ।

इकाई – पंचम टिप्पण की विषेषताएँ और इसके अनुपालन की औपचारिकताऐं।

बी. ए. पंचम सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र द्वितीय

(वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार)

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई – प्रथम वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार की प्रकृति , उसके अंग एवं प्रकार।

इकाई – द्वितीय कार्यालयीन एवं वाणिज्यिक ,व्यावसायिक पत्राचार में अंतर।

इकाई – तृतीय निविदा , आमंत्रण के पत्र , बीजक ,देयक , रसीद।

इकाई – चतुर्थ क्रय आदेष भेजने का पत्र , अभिमत और भुगतान।

इकाई – पंचम 1. षिकायत , निराकरण एवं दावा निपटारा पत्र।

प्रायोगिक

व्यावहारिक पंचम सेमेस्टर

1. छात्रों को विभिन्न षैक्षणिक संस्थाओं में आयोजित सभाओं ,गोष्ठियों एवं समारोह की रिपोर्ट तैयार करना होगा ।उसकी समीक्षा एवं संपादन करना होगा।उन्हें विभिन्न केन्द्रों के जनसंपर्क अधिकारियों से मिलकर वहाँ की कार्यप्रणाली की रिर्पोट तैयार करनी होगी।
2. छात्रों को अपने कार्यानुभव प्रषिक्षण की व्यवस्थित रिपोर्ट तैयार करनी होगी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त कार्यानुभव का एकत्र विवरण होगा ।
3. विज्ञापन संरचना।
4. निविदा , आमंत्रण के पत्र , बीजक , रसीद , आदेष भेजने के पत्र ,

संदर्भ के पत्र , भुगतान , षिकायत , निराकरण , दावा , विज्ञापन , फाईलिंग , रिर्पोटिंग।

बी. ए. षष्ठ सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

प्रष्नपत्र प्रथम

संप्रेषण एवं संचार संधान

पूर्णांक–35

व्याख्यान–15

इकाई – प्रथम

1. वैष्विक चेतना : आषय और उद्देष्य
2. संचार संसाधन : संपर्क के क्षितिज

इकाई – द्वितीय

1. रेडियो
2. समाचार पत्र

इकाई – तृतीय

1. रंगमंच
2. सिनेमा
3. दूरदर्षन

इकाई – चतुर्थ

1. कम्प्यूटर : परिचय

(क) अर्न्तजाल (इंटरनेट)

(ख) ई–मेल

(ग) वेबकेम (दृष्य संवाद)

(घ) संवाद (चेटिंग)

इकाई – पंचम

1. दूरभाष – विज्ञान की सौगात
2. मोबाइल

(क) नए युग की दस्तक

(ख) वरदान और अभिषाप

वेबसाइट :

1.www.Indianlanguage.com

2 . www.hindibhasha.com

बी,ए. षष्ठ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र– प्रथम

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 23

व्याख्यान–30

इकाई – 1 पत्रकारिता – स्वरूप, वर्तमान परिदृष्य,समाचार लेखन, शषीकरण एवं पृष्ठविन्यास।

इकाई – 2 सम्पादन कला – प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतिकरण।

इकाई – 3 मीडिया लेखन – संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।

इकाई – 4 प्रमुख जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टी.वी, फिल्म, विडियो, तथा इंटरनेट

इकाई – 5 माध्यमोपयोगी लेखन प्रविधि।विविध जनसंचार माध्यम के लेखन की प्रविधि और व्यवहार।

बी,ए. षष्ठ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य प्रष्न पत्र– द्वितीय

हिन्दी नाटक निबंध तथा स्फुट गद्य रचनाएॅ

पूर्णांक – 23

व्याख्यान–30

इकाई – 1 व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्यक्रम से तीन व्याख्याएॅ।

इकाई – 2 पठित निबंधों की समीक्षाएॅ।

इकाई – 3 हिन्दी गद्यविधाओं का उद्‌भव और विकास ।

निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्तान्त ।

इकाई – 4 द्रुत पाठ – भारतेन्दु हरिष्चंद्र, बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, षरद जोषी।

इकाई – 5 लघुत्तरीय / वस्तुनिष्ठ

बी,ए. षष्ठ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

प्रष्नपत्र– तृतीय

बुन्देली भाषा और साहित्य

पूर्णांक – 24

व्याख्यान–30

इकाई – 1 व्याख्याएँ रामचरण हयारण मित्र संतोषसिंह बुंदेला एवं माधव षुक्ल मनोज की निर्धारित रचनाओं से व्याख्याएँ।

इकाई– 2 उपर्युक्त कवियों पर आलोचनात्मक/समीक्षात्मक प्रष्न

इकाई – 3 बुंदेली भाषा और उपबोलियों के साहित्य के इतिहास पर प्रष्न।

इकाई – 4 द्रुत पाठ भैयालाल व्यास दुर्गे दीक्षित एवं सीता किषोर खरे पर केन्द्रित लघुउत्तरीय प्रष्न।

इकाई –5 वस्तुनिष्ठ (संपूर्ण प्रष्न से)

बी. ए. षष्ठ सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र प्रथम

(टिप्पण और प्रारूपण)

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई – प्रथम

प्रारूपण–परिभाषा एवं स्वरूप।

प्रारूप के विभिन्न रूपों का अध्ययन।

इकाई – द्वितीय

प्रारूप का क्षेत्र , महत्व , विषेषताएँ एवं भाषा षैली।

इकाई – तृतीय

वरिष्ठ अधिकारियों एवं कनिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार की औपचारिकताओं का अध्ययन।

इकाई – चतुर्थ

प्रमुख कार्यालय,क्षेत्रीय कार्यालय इत्यादि से पत्राचार की औपचारिकताओं का अध्ययन।

इकाई – पंचम

प्रपत्रों एवं दस्तावेजों के नस्तीकरण की पध्दतियाँ।

बी. ए. षष्ठ सेमेस्टर

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रष्नपत्र द्वितीय

(वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार)

पूर्णांक–35

व्याख्यान–45

इकाई – प्रथम

बैंकिंग पत्राचार से आषय एवं प्रकार।

इकाई – द्वितीय

बीमा के पत्र, वाणिज्यिक–व्यावसायिक , पारिभाषिक षब्दावली।

इकाई – तृतीय

विज्ञापन का अर्थ , परिभाषाएँ ,प्रकार एवं विज्ञापन के माध्यम।

इकाई – चतुर्थ

प्रतिलिपि (कॉपी राइट) लेखन का परिचय–महत्व ,क्षेत्र –विस्तार तथा उपयुक्त विषेषण।

इकाई – पंचम

सफल प्रलेखक (कॉपी राइटर) के गुण और अभिव्यक्ति की प्रभावषीलता ।

प्रायोगिक

व्यावहारिक षष्ठ सेमेस्टर

1.विभिन्न प्रकार के प्रकरणों के प्रस्तुतिकरण का अभ्यास , निर्धारित विषयों को आगे बढाना, उपयुक्त प्रारूपों के साथ संदर्भो की टिप्पणियों के नमूने।

2.आकाषवाणी एवं दूरदर्षन में प्रसारण से संबंधित प्रषिक्षण उपलब्ध केन्द्रों के सहयोग से लिया जायेगा।

3.'प्रेरणा वृत्तचित्र '–स्क्रिप्ट लेखन एवं रिकार्डिंग।

4.बैंक से लेन–देन , बीमा के पत्र, विज्ञापन ,श्षासकीय पत्राचार के प्रारूपण , परिपत्र ,ज्ञापन , कार्यालय ज्ञापन , आदेष ,कार्यालय आदेष ,अधिसूचना ,पृष्ठांकन ,प्रेस विज्ञप्ति ,प्रेस नोट , वाणिज्यिक पत्राचार , रिर्पोटिंग।